

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 582]
No. 582]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 5, 2003/अग्राहायण 14, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 5, 2003/AGRAHAYANA 14, 1925

गृह मंत्रालय

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

अधिसूचना

NOTIFICATION

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 2003

New Delhi, the 5th December, 2003.

सा.का.नि. 925(अ).—विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार यह निर्धारित करने के लिए कि क्या मणिपुर के मैतेई उग्रवादी संगठनों को विधिविरुद्ध संगम घोषित करने के पर्याप्त कारण हैं अथवा नहीं, एतद्वारा, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सी. के. महाजन की अध्यक्षता में एक "विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण" का गठन करती है।

G.S.R. 925(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes "The Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice C.K. Mahajan, Judge of Delhi High Court, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause of declaring the Meitei Extremist Organisations of Manipur, as unlawful associations.

[फा. सं. 8/8/2003-एन.ई.-I]

[F. No. 8/8/2003-NE-I]

के. एस. रामासुब्बन, संयुक्त सचिव

K.S. RAMASUBBAN, Jt. Secy.